राजनीति - सिद्धांत का महत्व
(significance of Political theory)

आज के युग में राजनीति - सिद्धान्त शब्दावली का प्रयोग विस्तृत अर्थ में होता है। एक ओर शब्दावली का प्रयोग विस्तृत अर्थ में होता है, इसके अंतर्गत यह पता लगाया जाता है कि कोई भी सरकार या शासन - व्यवस्था किस तरह कार्य करती है, अर्थात इसमें राजनीतिक संस्थाओं की रचना और इससे जुड़े लोगों के व्यवहार की छान-बीन की जाती है यह अध्ययन मोटे तौर पर राजनीति विज्ञान के क्षेत्र में आता है। दूसरी ओर इसके अंतर्गत हम सरकार के उद्देश्यों और उनकी पूर्ति के उपायों पर विचार करते हैं यह अध्ययन मोटे तौर पर राजनीति विज्ञान के क्षेत्र में आता है दूसरी ओर इसके अंतर्गत हम सरकार के उद्देश्यों और इनकी पूर्ति के उपायों पर विचार करते हैं

राजनीति हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जब हम वैज्ञानिक पद्धति से राजनीति की समस्याओं का विश्लेषण करते हैं, तो उन्हें समझने और समाधान में पर्याप्त सहायता मिलती है, उदाहरण के लिए जैसे भूविज्ञान से हमें भूकंप के कारणों के बारे में या आयुर्विज्ञान से हमें ~~स्वास्थ्य~~ स्वास्थ्य की रक्षा और रोगों के नियंत्रण के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है वैसे ही राजनीति विज्ञान से हमें स्वास्थ्य की रक्षा और रोगों के नियंत्रण के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है

2

अतः कभी-कभी राजनीति दर्शन की सार्थकता पर प्रश्न-चिह्न अवश्य लगाया जाता है और इसे स्वयं राजनीति-सिद्धान्त की सार्थकता का प्रश्न बना दिया जाता है। प्रस्तुत संदर्भ में जो आपत्तियां उठाई जाती हैं उन्हें परखने के बाद ही हम राजनीति सिद्धान्त की सार्थकता का निर्णय कर सकते हैं।

ऐतिहासिक क्रांतियों का प्रेरणा-स्रोत

कुछ लोग राजनीति-सिद्धान्त को ऐसी क्रांतियों का प्रेरणा स्रोत मानते हैं, जो बनी-बनाई को नष्ट करके हमारे जीवन को अस्त-व्यस्त कर देती हैं। इन्हीं आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए। आर.जी. गैटेल ने हिस्ट्री ऑफ पॉलिटिकल थॉट (राजनीति चिन्तन का इतिहास) (1949) के अंतर्गत लिखा है।

राजनीति सिद्धान्त पर यह आरोप लगाया जाता है कि व्यावहारिक परिणामों की दृष्टि से यह न केवल बंजर भूमि की तरह निष्फल सिद्ध होती है।

बर्क ने कहा था कि राज्य के कुप्रबंध का एक निश्चित लक्षण यह है कि वहां लोग सिद्धान्तों की शरण लेने पर तत्पर होते हैं।